टित की गई धन राशि इस प्रकार है :—

(लाख रुपये में)

	1987–88	1988–89	1989–90
योजनागत	66.40	49.00	70.00
योजनेर	31.00	43.00	37.85
कुल :	97.40	92.00	107.85

(ख) संस्थान में पढ़ाए जाने वाले मुख्य विषय इस प्रकार हैं—तिब्बती अध्ययन, संस्कृत, तिब्बती, पाली, अंग्रेजी और हिन्दी भाषाएं तथा एशियाई और तिब्बती इतिहास, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र । संस्थान में नेपाल, भूटान, संयुक्त राज्य अमरीका, जर्मनी, जापान और कनाडा सहित विभिन्न देशों से अध्येता और छात्र आ रहे हैं ।

राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र के एकक I तथा II द्वारा बिजली का उत्पादन

*273. **डा. अबरार अहमद खान :** क्या **प्रधान** मंत्री 20 मार्च, 1990 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 942 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस बात के क्या कारण हैं कि राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र के एकक I तथा एकक II में 1988 की तुलना में 1989 में बिजली का कम उत्पादन हुआ तथा यह एकक 1988 की तुलना में 1989 में अधिक दिनों तक बन्द रहे;

(ख) चालू वर्ष में उन दिनों का ब्यौरा क्या है जिनमें ये एकक कार्य करते रहे तथा जिन में ये बन्द रहे तथा एककों द्वारा इस अवधि में बिजली का कितना उत्पादन किया गया;

(ग) राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र के अन्य प्रस्तावित एकक कब तक स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है तथा वे बिजली-उत्पादन कब आरम्भ कर देंगे; और

(घ) राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र द्वारा परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिये, आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, एकक वार, क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो. एम. जी. के. मेनन) : (क) राजस्थान परमाणु बिजली घर के दोनों यूनिटों में 1988 की तुलना में 1989 में बिजली का उत्पादन मामूली सा कम होने के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

1989 में पहले यूनिट को उसकी दक्षिण एंड शील्ड में हो रहे हल्के पानी के रिसाव को बन्द करने हेतु मरम्मत-कार्य के लिए 86 दिन के वास्ते, मंदक पम्प, प्राइमरी पम्प और ईंधन-भरण मशीन जैसे उपस्करों की मरम्मत के लिए 25 दिन के वास्ते तथा टर्बाइन, जिसका ब्लेड खराब हो गया था, की मरम्मत करने के लिए 28 दिन के वास्ते बन्द करना पड़ा था । दूसरे यूनिट को उसकी ईंधन-भरण

मशीन की मरम्मत करने के लिए 14 दिन के वास्ते तथा योजनागत अनुरक्षण सम्बन्धी कार्यों के लिए 35 दिन के वास्ते बंद करना पड़ा था।

(ख) जनवरी से जुलाई, 1990 तक की अवधि में तथा 1989 में उसी अवधि के दौरान बिजलीघर के दोनों यूनिटों में बिजली का सकल उत्पादन, जिसमें इस बिजलीघर के समीप के भारी पानी संयंत्र को सप्लाई की गई भाप बराबर बिजली शामिल नहीं है, निम्नलिखित आ जो इस बात को दर्शाता है कि बिजली के उत्पादन में वृद्धि हुई है :

	जनवरी से जुलाई, 1989 तक	जनवरी से जुलाई 1990 तक
राजस्थान परमाणु बिजलीघर पहला और दूसरा यूनिट	881 मिलियन यूनिट	922 मिलियन यूनिट

अन्य जो विवरण मांगे गये हैं वे निम्नलिखित हैं :

अवधि जनवरी से जुलाई, 1990 तक	पहला यूनिट	दूसरा यूनिट
यूनिट ने जितने दिन काम किया . . .	131	172
यूनिट जितने दिन बन्द रहा . . .	81	40
उत्पादित बिजली जिसमें इस बिजली घर के समीप के भारी पानी संयंत्र को सप्लाई की गई भाप के बराबर बिजली शामिल नहीं है . .	249 मिलियन यूनिट	673 मिलियन यूनिट

(मिलियन यूनिट–मिलियन किलोवाट घंटे)

(ग) इस समय निर्माणाधीन दो और यूनिट, अर्थात् राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना का तीसरा तथा चौथा यूनिट, जिनमें से प्रत्येक की सकल क्षमता 235 मेगावाट होगी, क्रमशः मई, 1995 और नवम्बर, 1995 में क्रांतिकता प्राप्त कर लेंगे। आशा है कि ये यूनिट क्रांतिकता प्राप्त कर लेने के बाद छः महीने की अवधि में वाणिज्यिक स्तर पर उत्पादन करने लगेंगे।

(घ) अब तक के वास्तविक उत्पादन को ध्यान में रखते हुए, राजस्थान के यूनिटों द्वारा आठवं. पंचवर्षीय योजना के दौरान बिजली का उत्पादन, जिसमें इस अवधि में इस बिजलोघर के समीप के भारी पानी संयंत्र को सप्लाई को जाने वाली भाप के बराबर बिजली भी शामिल

है, करने के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं :

राजस्थान परमाणु बिजलीघर-पहला यूनिट . . .	2290 मिलियन यूनिट
राजस्थान परमाणु बिजलीघर–दूसरा यूनिट . . .	6100 मिलियन यूनिट
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना–तीसरा और चौथा यूनिट .	आशा है कि उत्पादन नवीं पंचवर्षीय योजना के आरम्भ में शुरू हो जाएगा।

Destruction of Manas sanctuary in Assam

*274. SHRI AMRITLAL BASUMATARY: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large scale destruction has been caused to the famous national sanctuary of Manas in Assam;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) what measures are being taken by Government to protect and conserve the sanctuary from further destruction?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI NILAMANI ROUTRAY): (a) and (b) The State Government of Assam has informed that the extremists have caused large scale damage to the Manas Sanctuary which is also the core area of a Tiger Reserve. The local timber smugglers and poachers have also taken advantage of the disturbed situation.

(c) The Central Government provides financial assistance under Centrally Sponsored Scheme of Project Tiger for the maintenance and development of the Manas Tiger Reserve. Additional funds have been provided to the State Government to solve the problem that has arisen due to the activities of terrorists. Armed police has been deployed by the State government for protection of the Manas Sanctuary.

Replacement of the Chairmen of Central Boards and autonomous bodies

*275. SHRI SURESH PACHOURI:

SHRIMATI MARGARET ALVA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) Whether it is a fact that many Chairmen of Central Boards and autonomous bodies of the Central Government have been replaced before completion of their normal terms of office; since January 1990; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) and (b) The requsite information is not centrally available. However, as per information available with this Deptt., the only case wherein Chairman of a Central Board or autonomous body of the Central Government has been replaced before completion of his normal terms of office since January 1990 is listed in the Statement.

Statement

Details of Chairmen of Central Board and Autonomous Bodies whose Services were Replaced after 1st January, 1990

Name of Central Board/ Autonomous Bodies	Name of incumbent of the post	Date of Appointment	Date of vacancy necessitating replacement	Reasons for Replacement	Remarks
Khadi & Village Industries Commission	Shri Laxmi Das	4-5-1988	3-1-1990	The incumbent resigned.	He was appointed for 5 years.